एक ब्रम्हरात्र की कालगणना कैसे होती है?

भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, 'इस दुनिया के अंत में सभी जीवित प्राणी मेरे भीतर समा जाते हैं। मैं उन्हें अगली दुनिया (कल्प) में बाहर निकालता हूं। ' जिसका अर्थ है कि कोई नया सृजन नहीं है। प्रलय के पहले जिस अवस्था में जो जीव थे, उसी अवस्था में उन जीवों को प्रलय बाद नया जीवन मिलता है।

श्रीकृष्ण विश्व व्यवस्था के जीवनकाल को एक कल्प के बराबर बताते हैं। यह क्या है? एक चक्रीय समय में चार युग हैं। उन्हें सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग है। कलियुग के बाद फिर से सतयुग आता है और चक्र दोहराता है। कलियुग का समय अवधि 4,32,000 साल है। द्वापरयुग जो कलियुग से पहले है कलियुग का दोगुना यानी 8,64,000 साल है। त्रेतायुग कलियुग का तीनगुना यानी 12,96,000 साल तथा सतयुग कलियुग का चारगुना यानी 17,28,000 साल है। इन चार युगों की अवधि कुल 43,20,000 साल बनती हैं। चार युगों के इस चक्र को एक महायुग कहा जाता है। 71 महायुग का एक मन्वंतर बनाता हैं । संधीकाल को लेकर 14 ऐसे मन्वंतर ब्रह्मा का 1 दिन हैं जो 4,32,00,00,000 साल है जिसे एक कल्प कहते है। इतनीही बडी ब्रम्हा की एक रात है। दिन और रात मिलाकर हुए 8,64,00,00,000 साल। इस दिन रात के हिसाब से ब्रह्मा का जीवन काल 100 साल है। यानी 8,64,00,00,000×360×100 =31,10,40,00,00,00,000 साल। 31 नील 10 खरब, 40 अरब साल।

अब 7 वे मन्वंतर के 28 वे महायुग का कलियुग चल रहा है। इसका मतलब विश्व की आयु करीब 1,97,12,21,117years साल है - 2 अरब साल।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

एक कल्प के बाद के विनाश को प्रलय कहा जाता है। तथा इस

ब्रह्मा के जीवन काल की समाप्ती पर होने वाले प्रलय को महाप्रलय (कुल विनाश) कहा जाता है। महाप्रलय के बाद, अकेले भगवान अस्तित्व में रहते हैं और सब जीव भगवान के अंदर या भगवान के पेट में सूक्ष्म रूप में रहते है।

ये समय अनुमान वास्तव में बहुत बड़े हैं लेकिन वे अनंत की तुलना में कुछ भी नहीं हैं। फिर सौ साल के मानव जीवन के बारे में क्या बात करनी है? यह बहुत ही छोटा है। यदि मानव जीवन मायिक इंद्रिय सुख, कुटुंब पालन, पैसा, प्रतिष्ठा, सत्ता के लिए व्यतित किया तो कई कल्प तक पुनः मानव जन्म नही मिलने वाला। इसलिए इस मनुष्य जन्म में अपना कर्तव्य पालन करते हुए भगवत् विषय में समय व्यतीत करना चाहिए। अनन्त आनंद प्राप्त करके मौत और अन्य पीड़ाओं से छुटकारा पाने के अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132